सोमवार, 4 मार्च 2024
वर्ष 5, अंक 107, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार
बरेली
एक सम्पूर्ण अखबार

खुद लड़कर काया ने जीती महिलाओं के उत्थान की लड़ाई

बरेली , अमृत विचार : रिद्धिमा में रविवार को नई दिल्ली के रूबरू थिएटर ग्रुप की ओर से नाटक काया का मंचन किया गया। नाटक में समाज में शिक्षा के महत्व को बताने के साथ महिलाओं के शिक्षित होने पर जोर दिया गया।

विक्रम शर्मा लिखित और काजल सूरी निर्देशित नाटक की कहानी स्त्री उत्थान पर है। इसमें एक असहाय विधवा अनपढ़ होने के बाद भी गांव की कुप्रथाओं से लड़ती है। अनेक विषम परिस्थितियों से गुजरते हुए अपना उत्थान करती है। फिर गांव में ऊंचे पद पर सम्मानित होने के बाद वहां स्त्री उत्थान केंद्र खोलती है। काया का पति विष्णु एक साये की तरह उसका मार्गदर्शन करता रहता है। नाटक में काया की मुख्य भूमिका में गुंजन, अपूर्व (विष्णु), जसकिरन चोपड़ा (कलावती और छन्नो जान), आशा खन्ना (पुष्पा), ओम चौधरी (सोनू), वर्षा (बिंद्री), तनिशा गांधी (पुनिया), सचिन (धर्मदास), सुजाता (तल्खन), कृष बब्बर और मंत्र भारद्वाज (बुरी आत्माएं) ने भूमिकाएं अदा कीं। नाटक में संगीत स्पर्श राय ने और मेकअप मुहम्मद राशिद ने, गीता सेठी, शुभम और दीपक मोरिया ने बैक स्टेज में सपोर्ट किया। इस मौके पर ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डॉ. एमएस बुटोला, डॉ. निर्मल यादव, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. रीता शर्मा आदि मौजूद रहे।